मुहम्मद अली

लोगों के चैंपियन

वाल्टर डीन मायर्स

चित्र: एलिक्स डेलिनोइस

"मैं अमेरिका हूँ"

उनका जन्म लुइसविले, केंटकी में कैसियस मार्सेलस क्ले, जूनियर के रूप में हुआ था. उनके सबसे पहले मुक्केबाजी कोच, पूर्व पुलिस अधिकारी जो मार्टिन ने उनसे कहा, "लोगों को चुनौती देना शुरू करने से पहले बेहतर होगा कि तुम खुद लड़ना सीखो."

कभी अंडरडॉग माना जाने वाला कैसियस, बाद में मुहम्मद अली के नाम से जाना गया, और उसने अंततः दुनिया के हैवीवेट चैंपियन का खिताब जीता. प्रशंसित लेखक वाल्टर डीन मायर्स ने उस आदमी की सुंदरता और शक्ति को इन शब्दों में बयां किया: "वो तितली की तरह तैर सकता था और मधुमक्खी की तरह डंक मार सकता था."

मुहम्मद अली

लोगों के चैंपियन

वाल्टर डीन मायर्स

चित्र: एलिक्स डेलिनोइस

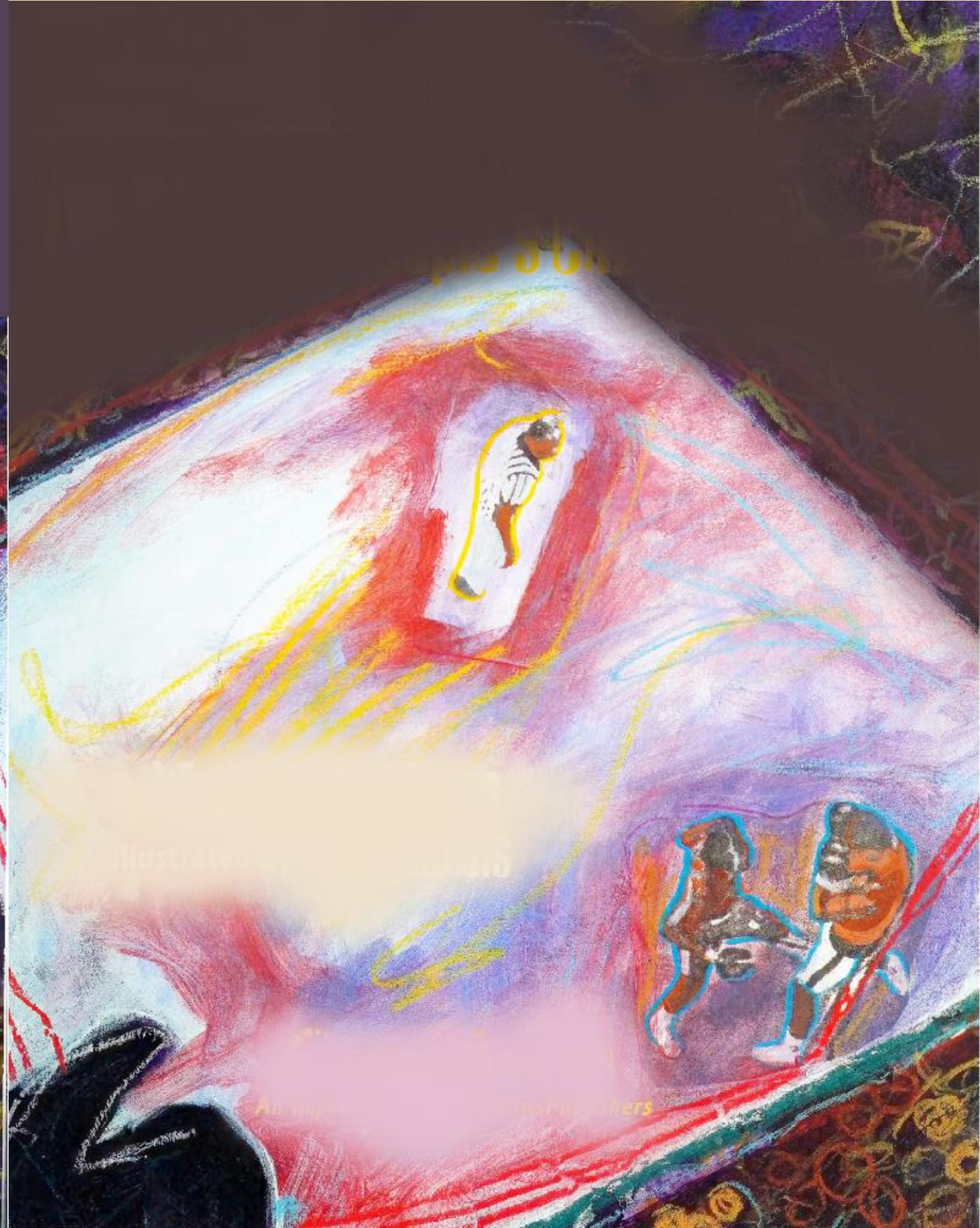

“जब वो एक बच्चा था तब हम मुहम्मद को "जीजी" कहते थे क्योंकि वो हमेशा 'जी, जी, जी, जी' कहता रहता था,” चैंपियन की मां, ओडेसा "बर्ड" क्ले ने कहा. "और फिर, जब वो गोल्डन ग्लव्स चैंपियन बना, तब उसने हमसे कहा कि वो 'गोल्डन ग्लव्स' कहने की कोशिश कर रहा था."

मुहम्मद अली का जन्म 17 जनवरी, 1942 को लुइसविले, केंटकी में हुआ था. उनके माता-पिता ने उनका नाम कैसियस मार्सेलस क्ले, जूनियर रखा.

लुइसविले एक शांत दक्षिणी शहर था. लोग आने-जाने के लिए बसों की सवारी करते थे, लेकिन बहुत से युवा लड़कों को साइकिल चलाना पसंद थी.

"एक रात वो बच्चा नीचे आया, और वो रो रहा था. किसी ने उसकी साइकिल चुरा ली थी, और बेशक वो इस बात से बहुत परेशान था." जो मार्टिन, एक पूर्व पुलिसकर्मी, ने कहा. "वो तब केवल बारह वर्ष का था, और वो साइकिल चुराने वाले को कोड़े मारने जा रहा था. मैंने कहा, 'ठीक है, इससे पहले वो कि तुम लोगों को चुनौती देना शुरू करो, बेहतर होगा कि तुम खुद लड़ना सीख लो.'"

अपने खाली समय में जो मार्टिन बच्चों को बॉक्सिंग सिखाते थे. जल्द ही कैसियस भी उनका एक छात्र बन गया.

कैसियस ने जिम में कड़ा प्रशिक्षण लिया. वो जोर से नहीं मार पाता था लेकिन वो तेजी से आगे बढ़ सकता था. वो तब भी काफी बातें करता था कि वो अपने विरोधियों के साथ क्या करेगा.

शौकिया प्रतियोगिताओं में लड़ने के बाद, कैसियस गोल्डन ग्लव्स चैंपियन बन गया.

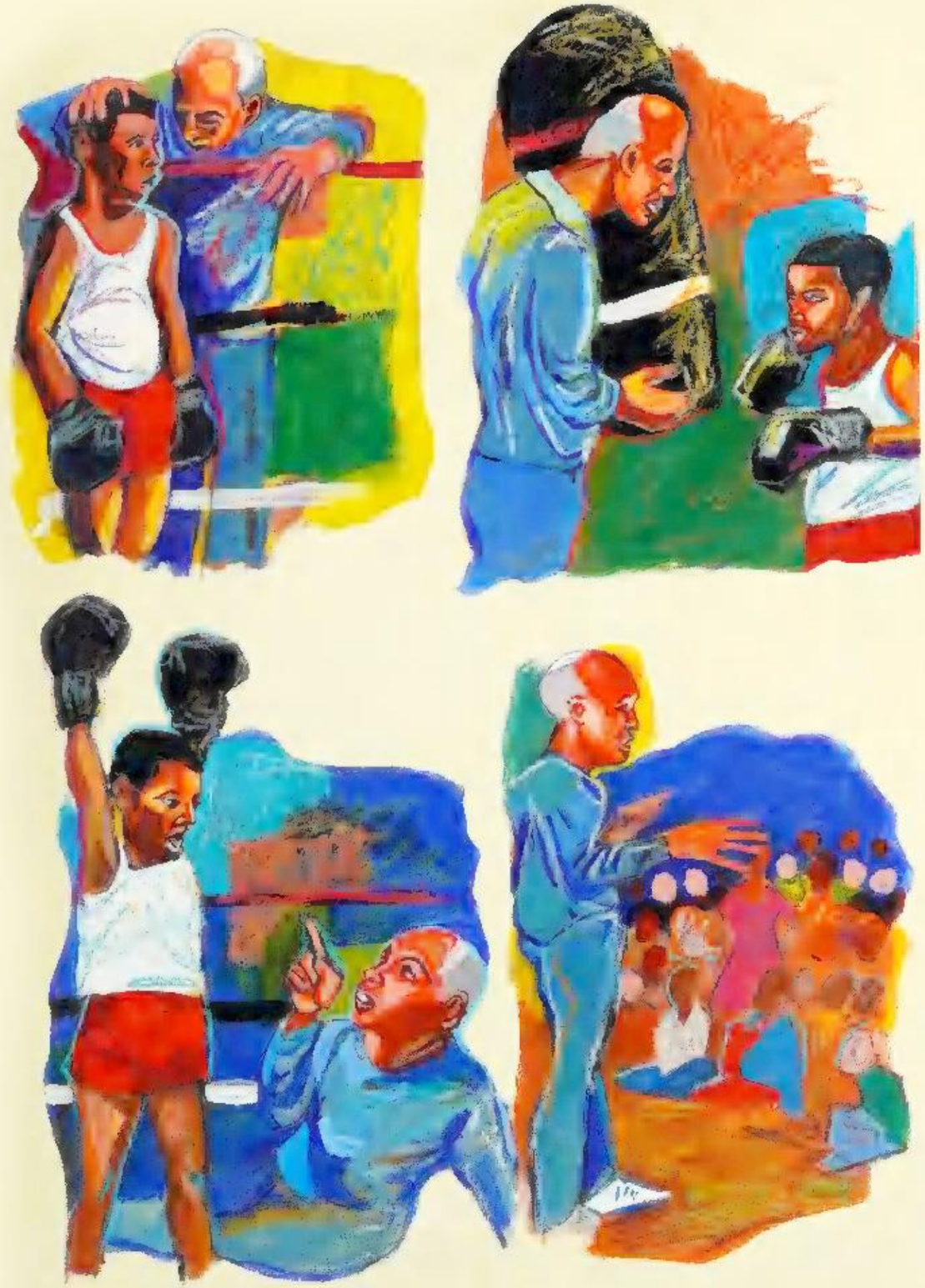

1960 में, अठारह वर्ष की आयु में, उसने अमेरिकी ओलंपिक मुक्केबाजी टीम में जगह बनाने के लिए क्वालीफाई किया. वो रोम में खेलों के लिए जा रहा था.

कैसियस, जो बहुत तेज था, उसने अपनी पहली लड़ाई आसानी से जीत ली. लेकिन चैंपियनशिप के लिए चौथी लड़ाई काफी कठिन थी.

पहले दौर में, पोलिश मुक्केबाज ज़्बीग्न्येव पीटरजीकोव्स्की ने, कैसियस को चारों ओर धकेलने के लिए अपनी क्रूरता और अनुभव का इस्तेमाल किया. दूसरे दौर में कैसियस अभी भी हार रहा था. लेकिन तीसरे राउंड में असली कैसियस क्ले सामने आया. उसने बूढ़े आदमी को मुक्का मारने के लिए अपने कौशल का भरपूर इस्तेमाल किया. कैसियस क्ले, जूनियर ने स्वर्ण जीता. रातों-रात वो पूरी दुनिया में मशहूर हो गया.

सबको
समान
अधिकार

हम मतदान
के अधिकार
की मांग
करते हैं

जिम क्रो कानून
रद्द करो

मैं भी एक
आदमी हूँ

केवल सफेद

WHITE ONLY

अमरीका में अभी भी कई ऐसे स्थान थे जहाँ काले लोग नहीं जा सकते थे, भले ही उन्होंने ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीते हों.

लुइसविले प्रायोजन समूह ने कैसियस में रुचि ली और उसकी एक पूर्व-लाइट-हैवीवेट चैंपियन, आर्ची मूर के साथ प्रशिक्षण की व्यवस्था की. लेकिन मूर का लड़ाई का तरीका कैसियस के लिए बहुत रक्षात्मक था. वो अपनी गति और फैंसी फुटवर्क पर ध्यान देना चाहता था. इसलिए उसने प्रशिक्षक को बदल दिया. अपनी पहली पेशेवर लड़ाई में, कैसियस ने ट्यूनी हुन्सेकर को हराया. अगले तीन वर्षों में उन्होंने लगातार अठारह और लड़ाइयां जीतीं.

लेकिन कई प्रशंसकों को उसके बारे में संदेह था. उन्होंने कहा कि कैसियस ने अपनी गति का बहुत अधिक उपयोग किया और अपने हाथों को बहुत नीचे रखा. और वो एक हैवीवेट फाइटर की तरह नहीं लग रहा था. "मैं दुनिया का सबसे महान फाइटर हूं. मैं दुनिया का सबसे बड़ा कवि हूँ! मैं महानतम हूं! मैं सबसे महान हूं!" वह चिल्लाया. लोग कैसियस को "लुइसविले लिप" कहने लगे.

कैसियस को ध्यान आकर्षित करना पसंद था. लेकिन उसका एक गंभीर पक्ष भी था जिसे कम ही लोगों ने ही देखा. "केंटुकी में, काले लोग बसों में सामने की ओर सवारी नहीं कर सकते थे," उसने कहा, "और न ही वो जहां चाहें वहां एक कप कॉफी पी सकते थे." जब काले लोगों ने अपने मानवीय अधिकारों को हासिल करने की कोशिश की तो कैसियस ने उन्हें पिटते और जेल जाते हुए देखा.

मियामी बीच कन्वेंशन हॉल इवेंट

क्ले उर्फ लुइसविल लिप

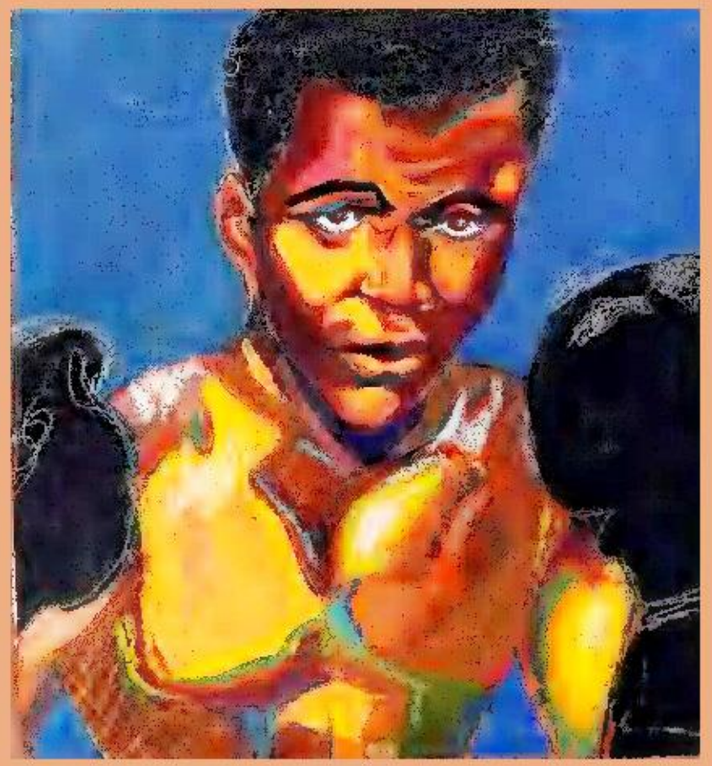

ज्यादातर लोगों ने सोचा कि कैसियस एक तेजतर्रार युवक था जिसने पहले शीर्ष लड़ाकुओं का सामना नहीं किया था. जब उन्होंने दुनिया के हैवीवेट चैंपियन, चार्ल्स "सन्नी" लिस्टन से लड़ने के लिए एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए, तो एक खिलाड़ी ने लिखा, "हममें से कुछ लोग पुराने सन्नी लिस्टन के साथ लड़ाई लड़ने से पहले कैसियस क्ले पर एक बड़ी बीमा पॉलिसी खरीदना चाहते हैं."

लिस्टन उर्फ द ब्लैक बेयर (काला भालू)

लिस्टन एक क्रूर मुक्काबाज था. उसने अपनी पहले तीन लड़ाइयों में पहले राउंड में अपने प्रतिद्वंदी को नॉकआउट कर दिया था और लड़ाइयां जीती थीं. लेकिन कैसियस अब भी आश्वस्त था. “मैं उस बदसूरत भालू को फर्श पर पटकने जा रहा हूं," उसने सन्नी लिस्टन के बारे में कहा. "वो विश्व विजेता बनने के लिए बहुत बदसूरत है. दुनिया का विजेता मेरे जैसा सुंदर व्यक्ति होना चाहिए!"

"मैं एक तितली की तरह तैरूंगा और एक मधुमक्खी की तरह डंक मारूंगा," कैसियस ने एक आदमी से कहा. "अगर आपकी आँखें उसे देख नहीं सकती है तब आप अपने प्रतिद्वंदी को हाथ से नहीं मार सकते हैं!"

लड़ाई शुरू हो गई. गुस्से में लिस्टन ने कैसियस पर उग्र घूंसे फेंके लेकिन कैसियस उनसे लगातार बचता रहा. कैसियस ने लिस्टन को तेज, चुभने वाले घूंसे मारे. छह राउंड के बाद, एक पस्त और निराश, लिस्टन सातवें राउंड के लिए बाहर ही नहीं आया.

फिर कैसियस क्ले दुनिया का हैवीवेट चैंपियन बना.

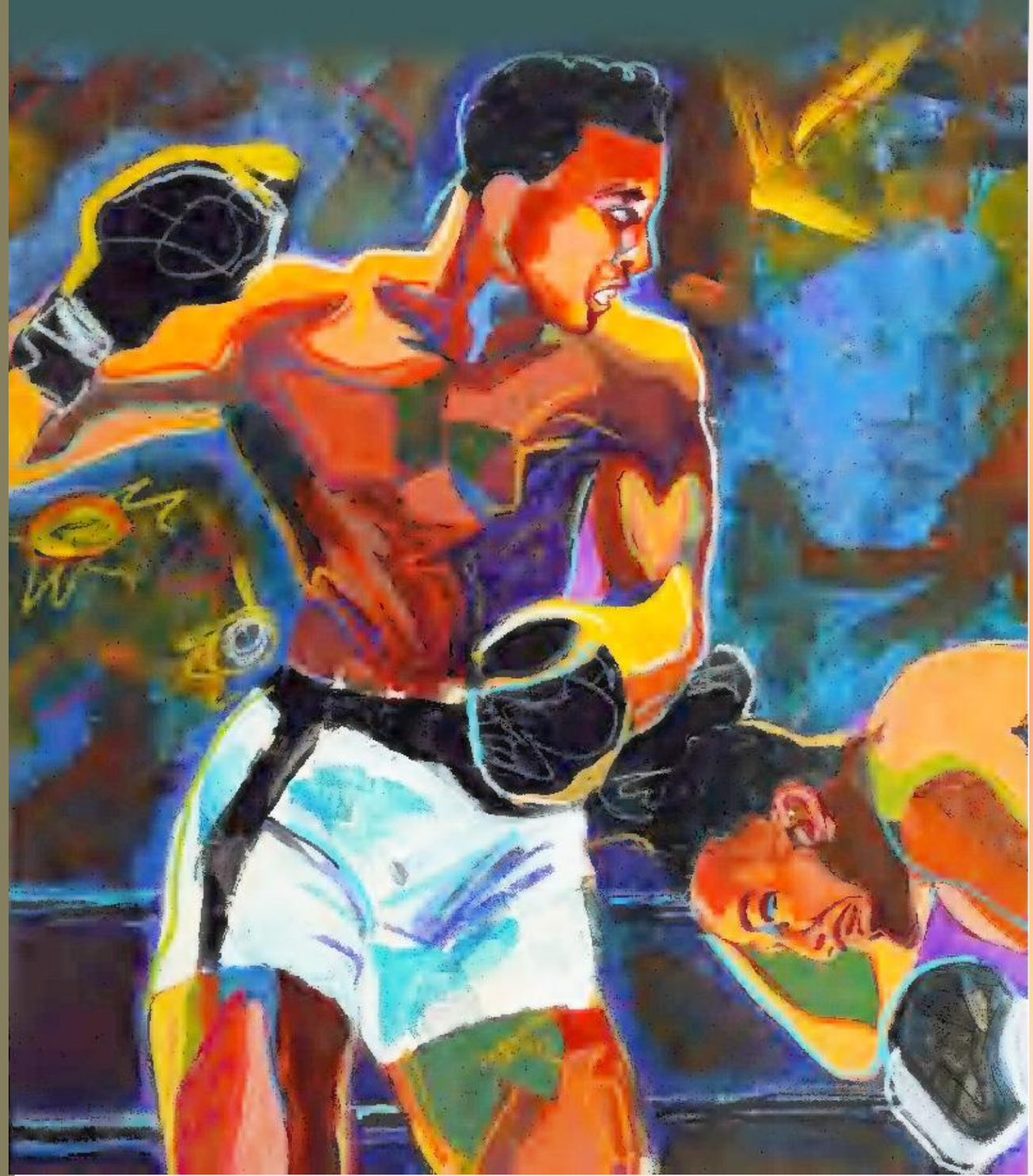

एक अल्लाह के सिवा और कोई भगवान नही है.

पूरा खेल जगत दंग रह गया. कुछ ही दिनों में कैसियस क्ले ने खेल जगत को फिर से चौंका दिया. उसने घोषणा की कि उसने अपना धर्म बदल लिया है और अपना नाम भी बदल लिया है. "मेरा नाम मुहम्मद अली है, और मैं नहीं चाहता कि कोई मुझे मेरे गुलाम, कैसियस क्ले के नाम से पुकारे."

लोगों ने अली से पूछा कि वह *नेशन ऑफ इस्लाम* में क्यों शामिल हुआ. क्योंकि कई लोगों यह महसूस करते थे कि वो एक धार्मिक संगठन नहीं बल्कि एक नफरत फैलाने वाला समूह था.

"मैंने एक मुसलमान बनना चुना है. मैंने एलियाह का अनुयायी बनना चुना है," मुहम्मद अली ने कहा, "क्योंकि वो एकमात्र ऐसे व्यक्ति हैं जो एक निश्चित योजना की पेशकश कर रहे हैं जिससे मेरे लोगों को मदद मिलेगी."

उनसे पूछा गया कि क्या वो गोरे लोगों के खिलाफ हैं. उन्होंने कहा नहीं, "मुझे गोरे लोग पसंद हैं, मुझे अपने लोग पसंद हैं," अली ने कहा. "मैं अमेरिका हूं. मैं वो हिस्सा हूं जिसे आप नहीं पहचान पाएंगे. लेकिन अब आप मेरी आदत डाल लो. काला, आत्मविश्वासी, अहंकारी; मेरा नाम, तुम्हारा नहीं है; मेरा धर्म, तुम्हारा नहीं है; मेरे लक्ष्य, मेरे अपने हैं; इसलिए मेरी आदत डाल लो."

अली को उम्मीद थी कि काले लोग मिलकर एक-साथ आएंगे और एक दूसरे से, और खुद से प्यार करेंगे. अब जब वो दुनिया का हैवीवेट चैंपियन बना, तब उसने सोचा कि उसे काले लोगों के पक्ष में बोलना चाहिए. उसने कहा, "मैं रोल्स-रॉयस में सवार होकर खुश नहीं हूं, मैं एक पहाड़ी के ऊपर रहकर खुश नहीं हूँ, यह जानकर कि मेरे भाई और बहन नीचे भूखे हैं और वे सूप लाइन में लगे हैं."

यह 1967 की बात है. अमेरिका, वियतनाम में युद्ध लड़ रहा था. उत्तर वियतनामी लोगों ने कहा कि काले लोगों उनके दुश्मन नहीं थे.

"आपका वास्तविक संघर्ष आपकी अपनी जन्मभूमि पर है. इसलिए अभी घर लौटो, और वहां संघर्ष करो!" उन्होंने कहा.

सेना में भर्ती होने के लिए अमेरिकी पुरुषों को सेना में अपना पंजीकरण कराना था. अली ने भी अपना पंजीकरण कराया, लेकिन जब उसे सेना में सेवा के लिए बुलाया गया तो उसने कहा, "इस्लाम धर्म के एक मंत्री के रूप में, मैं अमरीका की सशस्त्र सेना में शामिल होने से इंकार करता हूं." कई अन्य युवकों ने अपने धार्मिक विश्वासों के कारण सेना में भर्ती होने या लड़ने से इंकार कर दिया था. उन्हें कर्तव्यनिष्ठ आपत्तिकर्ता कहा जाता था.

एक न्यायाधीश ने फैसला सुनाया कि मोहम्मद अली के ईमानदार आपत्तिकर्ता होने के कारण वैध थे. लेकिन उसे फिर भी सेवा करने के लिए बुलाया गया था. 28 अप्रैल, 1967 को अली ने सेना में शामिल होने से इनकार कर दिया.

उसके बाद उन्हें पांच साल की जेल की सजा सुनाई गई और उस हैवीवेट चैंपियनशिप छीन ली गई. कई लोगों वो सजा अनुचित लगी, और कई वकीलों ने न्याय के लिए उच्च न्यायालय में अपील की.

अली, जिन्हें अब लड़ने की अनुमति नहीं थी, ने अपना अधिकांश समय एक सार्वजनिक वक्ता के रूप में बिताया. उन्होंने देश भर के कॉलेजों और *इस्लाम के राष्ट्र* की बैठकों में भाषण दिए. उन्हें खासकर बच्चों से बात करना अच्छा लगता था. कई लोग उन्हें पीपल्स चैंपियन मानते थे.

अली जवान और खूबसूरत थे. उन्होंने "ब्लैक इज ब्यूटीफुल" शब्दों को विशेष अर्थ दिया. अली जानते थे कि अगर उन्होंने अपनी अपील खो दी, तो उन्हें जेल जाना होगा. यदि वो अपना मन बदल लेता और सेना में शामिल हो जाता, तो वो बॉक्सिंग लड़ाइयां लड़ पाता और एक आसान जीवन जी पाता, लेकिन उसने अपने विश्वासों का पालन करने का फैसला किया. उसने कहा, "जिस व्यक्ति में जोखिम उठाने का साहस नहीं है, वो जीवन में कुछ भी हासिल नहीं कर पाएगा."

जबकि अली यह देखने के लिए इंतजार कर रहा था कि उसकी अपील का क्या असर होगा उस समय तमाम लोग वियतनाम में युद्ध पर आपत्ति जता रहे थे. नागरिक अधिकार आंदोलन तेजी से बढ़ रहा था. अब अली के रवैये को समझना आसान लग रहा था. अक्टूबर 1970 में, अंततः उन्हें फिर से लड़ने की अनुमति दी गई. उन्होंने जेरी क्वारी के खिलाफ अपना मैच जीता.

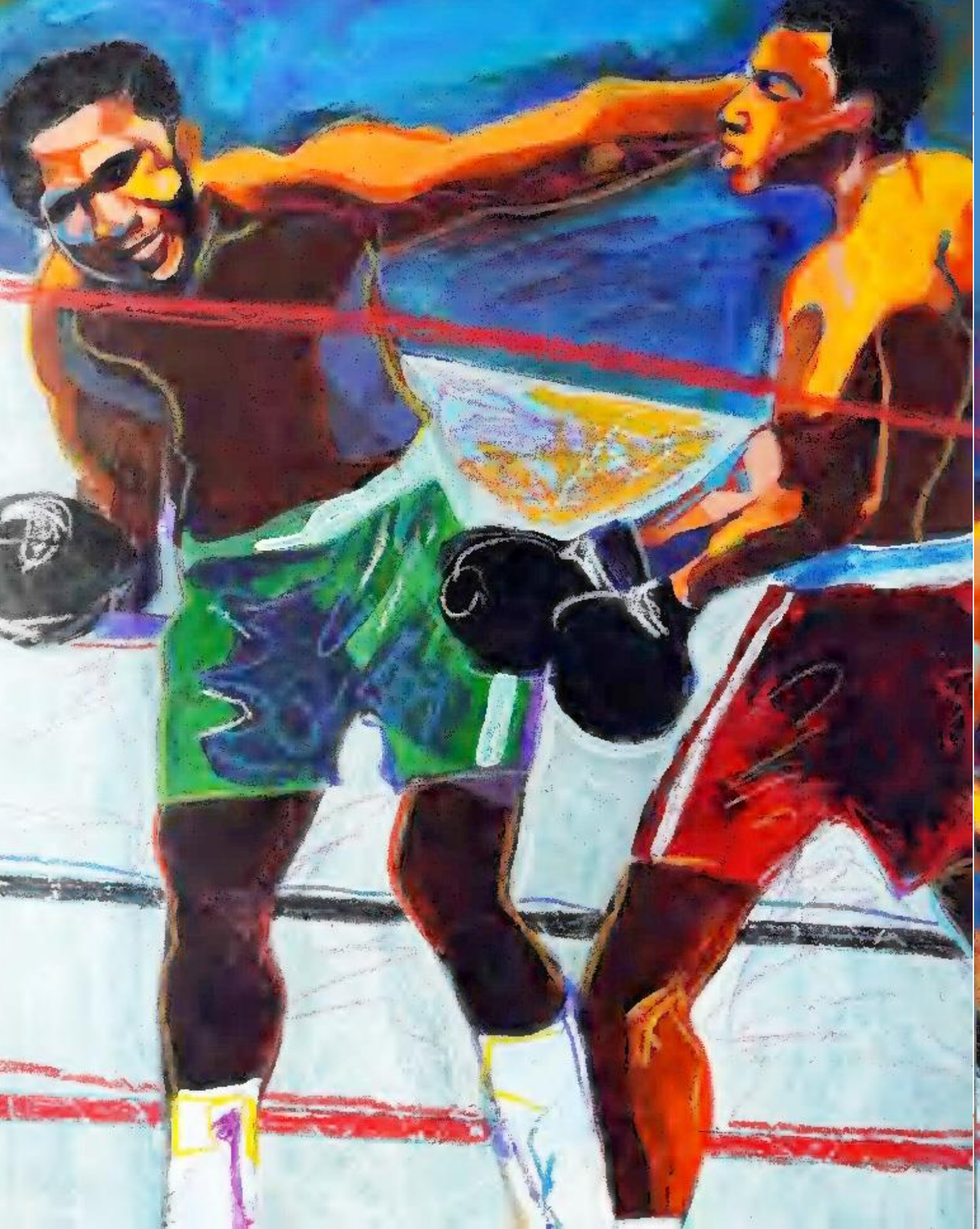

लेकिन "स्मोकिन' जो फ्रेज़ियर दुनिया का हैवीवेट चैंपियन था, और मुक्केबाज़ी के प्रशंसकों ने इन दो पुरुषों के बीच मैच का इंतजार किया.

8 मार्च, 1971 को अली ने फ्रेज़ियर के खिलाफ लड़ाई लड़ी पर वो एक कठिन लड़ाई हार गए. उनके प्रशंसकों को उससे बड़ा धक्का लगा, लेकिन अली लड़ते रहने के लिए दृढ़ थे.

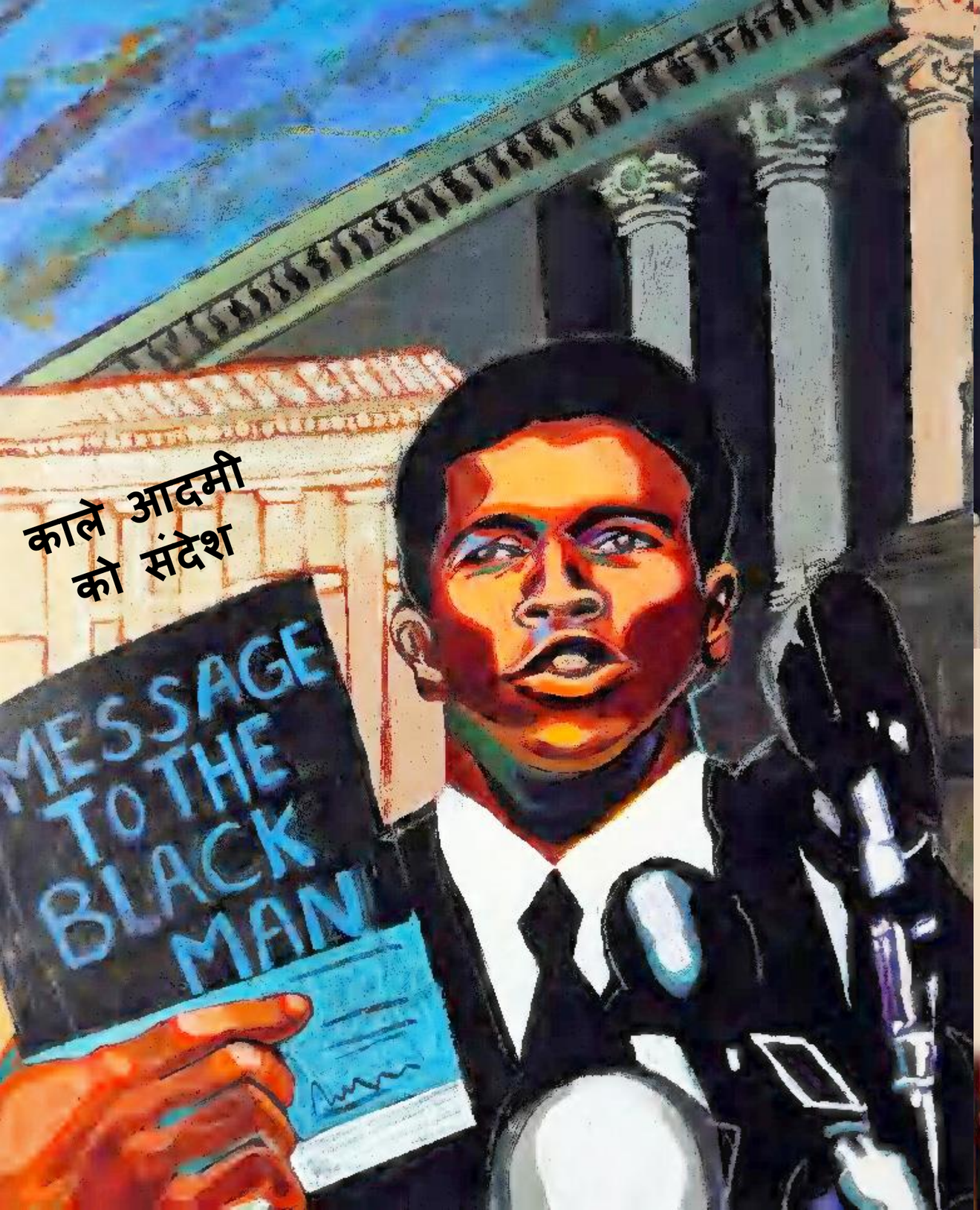

28 जून, 1971 को, संयुक्त राज्य के सर्वोच्च न्यायालय ने फैसला सुनाया कि अली को सेना में सेवा करने से छूट दी जानी चाहिए. रिंग के योद्धा अली ने सुप्रीम कोर्ट में एक महत्वपूर्ण लड़ाई जीती थी.

अली ने कहा, "जब मैंने सेना में जाने से इनकार किया तो मैंने खुद को कभी महान नहीं समझा. मैंने जो सोचा था उसके लिए मैं खड़ा हुआ था. मैं अमेरिका को अमेरिका बनाना चाहता था. और अब पूरी दुनिया वो बात जानती है."

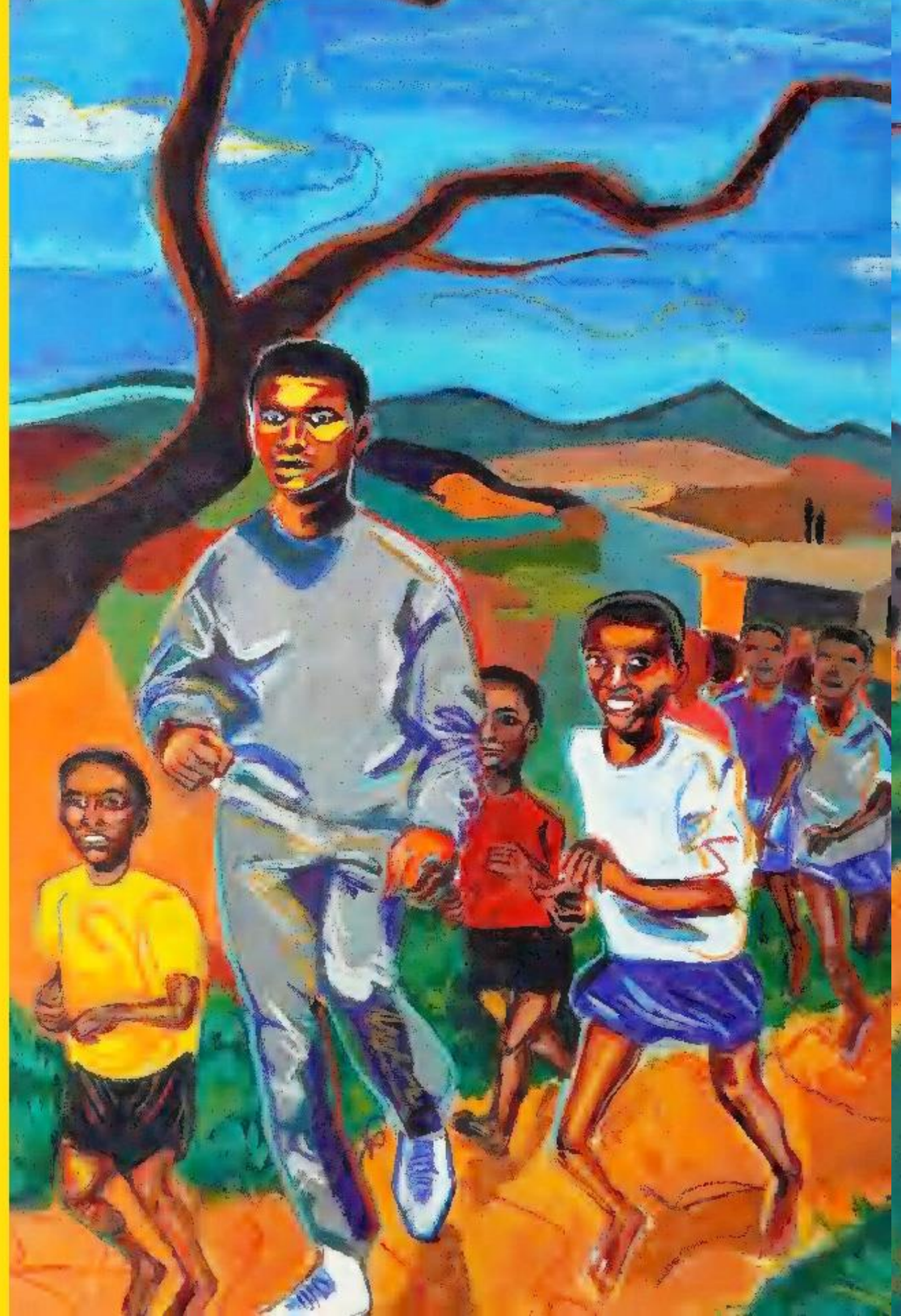

खेल के इतिहास में अली सबसे मनोरंजक फाइटर थे. उन्होंने अपने समय के हर बड़े लड़ाके का मुकाबला किया. उनकी सबसे कठिन लड़ाइयों में से एक को "रंबल इन द जंगल" के नाम से जाना जाता है. वो मध्य अफ्रीका के ज़ैरे में, जॉर्ज फोरमैन से लड़ने जा रहे थे. फोरमैन नया हैवीवेट चैंपियन था. अली, जो अब बत्तीस वर्ष का था को युवा सेनानी से हारने की उम्मीद थी. लेकिन अली का एक अलग विचार था. "अब आप मुझे देखते हैं, पर अब आप नहीं देखते हैं, जॉर्ज सोचता है कि वो मुझे देखेगा, लेकिन मुझे पता है कि वो ऐसा कभी नहीं करेगा."

जब लड़ाई शुरू हुई, तो अफ्रीकी भीड़, जो अली के पक्ष में थी, बार-बार चिल्लाई, "अली बम्बा ये!". फोरमैन उससे परेशान नहीं हुआ. वो आगे आया और उसने अली को रस्सियों के खिलाफ पकड़ लिया. बार-बार उसकी विशाल भुजाओं पर अली झूलता रहा. अली के प्रशिक्षकों ने उसे रस्सियों से दूर जाने के लिए बार-बार कहा.

अली ने फोरमैन को गर्म रोशनी के नीचे मुक्का मारने की अनुमति दी. उसने रस्सियों के खिलाफ खड़े रहने की अपनी योजना को "रोप-ए-डोप" नाम दिया.

"मैं रस्सियों पर लेट गया और कहा, 'आओ मुझे मारो. मुझे लगा कि तुम मरोगे. वो एक बचकाना पंच होगा.'"

आठवें दौर में, फोरमैन थक गया और तब अली को अपना मौका मिला. अली के मुक्के तेज और कड़े थे. बिग जॉर्ज फोरमैन दंग रह गया, फिर उसे चोट लगी. वो ज़मीन की ओर लड़खड़ाया और तब रेफरी ने उस पर गिनती करना शुरू कर दी. अली एक बार फिर विश्व चैंपियन बन गया.

"रंबल इन द जंगल" के बाद अली सात साल और लड़ा. अंततः 1981 में वो उनतालीस वर्ष की आयु में सेवानिवृत्त हुया. उनका अब बॉक्सिंग का कैरियर खत्म हो गया था, और अब वो एक और कठिन प्रतिद्वंद्वी का सामना कर रहे थे, एक तंत्रिका विकार रोग का - जिसे "पार्किंसंस" रोग कहा जाता है.

"भगवान ने मुझे यह याद दिलाने के लिए वो शारीरिक दुर्बलता दी है कि मैं सबसे महान नहीं हूं." अली ने कहा. "सबसे महान भगवान है!"

1996 में, अली को अटलांटा, जॉर्जिया में खेलों में ओलंपिक मशाल जलाने के लिए कहा गया. जैसे ही उन्होंने मशाल को जलाने के लिए लौ को उठाया, दुनिया देख सकती थी कि उसके भीतर अभी भी एक लड़ाकू मौजूद था और वो लगातार अपनी बीमारी से लड़ता रहा. दुनिया भर में लाखों लोगों ने उनकी जय-जयकार की. मुहम्मद अली, वास्तव में, पीपल्स चैंपियन थे.

17 जनवरी, 1942 कैसियस मार्सेलस क्ले, जूनियर, लुइसविले का जन्म हुआ.

सितंबर 5,1960 को ओलंपिक स्वर्ण पदक, लाइट-हैवीवेट पदक जीता.

29 अक्टूबर, 1960 ट्यूनी हन्सेकर के खिलाफ पहली पेशेवर लड़ाई जीती: लुइसविले, केंटकी में.

25 फरवरी, 1964 वर्ल्ड हैवीवेट खिताब जीतने के लिए सन्नी लिस्टन को हराया: मियामी बीच, फ्लोरिडा में.

26 फरवरी, 1964 मुस्लिम धर्म में परिवर्तित.

6 मार्च, 1964 मुहम्मद अली नाम अपनाया.

28 अप्रैल, 1967 अमेरिकी सशस्त्र बलों में शामिल होने से इनकार किया.

27 जून, 1967 को मुक्केबाजी का खिताब छीन लिया गया और उन्हें खेल से प्रतिबंधित कर दिया गया.

अक्टूबर 26,1970 जेरी क्वारी के खिलाफ वापसी मैच जीता: अटलांटा में.

3 मार्च, 1971 विश्व हैवीवेट चैंपियन जो फ्रैजियर से हारे: न्यूयॉर्क में.

28 जून, 1971 को अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट द्वारा उलट सशस्त्र बलों में शामिल होने से इनकार करने पर दोषी ठहराया गया.

अक्टूबर 30, 1974 जॉर्ज फोरमैन के खिलाफ जंगल में रंबल जीता: किंशासा, ज़ैरे में.

अक्टूबर 1, 1975 मनीला में जो फ्रैजियर के खिलाफ थ्रिला जीत: क्यूज़ोन सिटी, फिलीपींस में.

11 दिसंबर, 1981 अपनी आखिरी लड़ाई में ट्रेवर बर्बिक से हारे: नासाउ, बहामास में.

19 जुलाई, 1996 ओलंपिक मशाल जलाई, ग्रीष्मकालीन ओलंपिक खेल: अटलांटा में.

1998 - संयुक्त राष्ट्र शांति दूत के रूप में कार्य किया.

दिसंबर 2, 1999 को स्पोर्ट्स इलस्ट्रेटेड द्वारा *स्पोर्ट्समैन ऑफ द सेंचुरी* नामित किया गया.

9 नवंबर 2005 को *प्रेसिडेंशियल मेडल ऑफ फ्रीडम* से सम्मानित किया गया.

जब साठ के दशक की शुरुआत में कैसियस क्ले का उदय हुआ, तो उन्होंने काले जीवन के दो महत्वपूर्ण क्षेत्रों को छुआ. वो "ब्लैक इज ब्यूटीफुल" के पूर्ण अवतार थे और उन्होंने ब्लैक-पावर के विचार को एक नया अर्थ दिया, न केवल अपनी रिंग की जीतों में, बल्कि अपने अद्भुत व्यक्तिगत साहस द्वारा भी. उन्होंने गोरों की खिलाफत करे बिना भी काले रंग को सुंदरता और शक्ति का प्रतीक बनाया. क्ले, और बाद में अली, न केवल एक काले हीरो थे, बल्कि अपने हास्य और युद्ध-विरोधी रुख के साथ, वे युवा सफेद अमेरिकियों के लिए भी एक हीरो थे.

- वाल्टर डीन मायर्स